ॐ Shri Lalita Trpura Sundari Khadaga Mala Mantra ॐ

ॐ श्री ललिता त्रिपुर सुन्दरी खड्गमाला मन्त्र ॐ

Sumit Girdharwal

9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com
www.baglamukhi.net
www.yogeshwaranand.org

किसी भी देवता की खड्गमाला अत्यन्त प्रभावशाली होती है। हमारे बहुत से काम ऐसे होते हैं, जिन्हें सामान्य तरीके अथवा पूजा से पूर्ण नहीं किया जा सकता है। यदि हम ये चाहते हैं कि हमारे षट्कर्म जैसे - मारण, मोहन, वशीकरण आदि सिद्ध हों तो हमें खड्गमाला का प्रयोग करना चाहिए। इस माला मन्त्र का कम से कम ११०८ पाठ करें, आपका कार्य सिद्ध होगा (जो साधक

श्री विद्या में दीक्षित हैं केवल वही इसका प्रयोग करें अथवा सर्वप्रथम अपने गुरूदेव से श्री विद्या की दीक्षा ग्रहण करें ।)

सबसे पहले दायें हाथ में जल लेकर विनियोग करें -

विनियोगः- ओम् अस्य श्री खड्गमाला महामन्त्रस्य, उपस्थेन्द्रिया-धिष्ठायी वरूणाद्रित्य ऋषयः, गायत्री छन्दः, सात्विककार भट्टारक पीठस्थित कामेश्रवरांकनिलया महाकामेश्वरी श्री ललिता भट्टारिका देवता, ऐं बींज, क्लीं शक्तिः, सौः कीलकं, श्री ललिता प्रसाद सिद्धयर्थे जपे विनियोगः।

अपने हाथ में लिया हुआ जल भूमि पर छोड़ दें। इसके उपरान्त न्यास करें :-

षडंगन्यास :

ऐं कएईल ह्रीं हृदयाय नमः

क्लीं हसकहल ह्रीं शिरसे स्वाहा

सौः सकल ह्रीं शिखायै वषट्

ऐं कएईल ह्रीं कवचाय हुं

क्लीं हसकहल ह्रीं नेत्र त्रयाय वौषट्

सौः सकल ह्रीं अस्त्राय फट्

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

करन्यास :

ऐं कएईल ह्रीं अंगुष्ठाभ्यां नमः

क्लीं हसकहल ह्रीं तर्जनीभ्यां स्वाहा

सौः सकल ह्रीं मध्यमाभ्यां वषट्

ऐं कएईल ह्रीं अनामिकाभ्यां हुं

क्लीं हसकहल ह्रीं कनिष्ठिकाभ्यां वौषट्

सौः सकल ह्रीं करतल-करपृष्ठाभ्यां फट्

इस प्रकार न्यास करने के उपरान्त भगवती का ध्यान करें, यथा-

आरक्ताभां त्रिनेत्रामरूणिम वसनां रक्त तातंक रम्याम्,

हस्तांभोजैश्च पाशंकुश मदन नुस्सायकैर्विस्फुरन्तीम्।

आपीनोतुंग वक्षोरूह विलुडत्तार हारोज्वलांगीम्,

ध्यायेदम्बोरूहस्ता मरूणिमवसनां ईश्वरी ईश्वराणाम्।।

इसके उपरान्त यथा सम्भव बाला मंत्र अथवा पंचदशी मन्त्र का स्फटिक की माला पर जप करें, तदोपरान्त स्तोत्र का पाठ करें -

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

स्तोत्र

ओम् ऐं ह्रीं श्रीं ओम् नमस्त्रिपुर-सुन्दरि हृदयदेवि शिरोदेवि, शिखादेवि, कवचदेवि, नेत्रदेव्यस्त्रदेवि, कामेश्वरि, भगमालिनि नित्य-

क्लिन्ने भेरूण्डे वह्निवासिनि महावज्रेश्वरि शिवदूति त्वरिते कुल-सुन्दरि नित्ये नीलपताके विजये सर्वमंगले ज्वालामालिनि चित्रे महा-

नित्ये परमेश्वर-परमेश्वरि मित्रीशमयि षष्ठीश-मय्युड्डीशमयि चर्या-नाथमयि लोपामुद्रा-मय्यगस्त्यमयि कालतापनमयि धर्माचार्यमयि मुक्तकेशीश्वरमयि दीपकलानाथमयि विष्णुदेवमयि प्रभारकरदेवमयि तेजोदेवमयि मनोजदेवमयि कल्याणदेवमयि रत्नदेवमयि वासुदेवमयि श्रीरामानन्दमयि अणमासिद्धे महिमासिद्धे ईशित्वसिद्धे वशित्वसिद्धे प्राकाम्यसिद्धे भुक्तिसिद्धे इच्छासिद्धे प्राप्तिसिद्धे सर्वकामसिद्धे ब्राह्मि माहेश्वरि कौमारि वैष्णवि वाराहि माहेन्द्रि चामुण्डे महालक्ष्मि सर्व-संक्षोभिणि सर्वविद्राविणि सर्वाकर्षणि सर्व-वशंकरि सर्वोन्मादिनि सर्व-

महांकुशे सर्वखेचरि सर्वबीजे सर्वयोने सर्वत्रिखण्डे त्रैलोक्य-मोहन-

चक्र स्वामिनि प्रकटयोगिनि कामाकर्षिणि बुद्धयाकर्षिणि अहंकारा-कर्षिणि शब्दाकर्षिणि स्पर्शाकर्षिणि रूपाकर्षिणि रसाकर्षिणि गन्धा-कर्षिणि चित्ताकर्षिणि धैर्याकर्षिणि स्मृत्याकर्षिणि नामाकर्षिणि बीजा-

कर्षिण्यात्माकर्षिणि अमृताकर्षिणि शरीराकर्षिणि सर्वाशापरिपूरक चक्र-स्वामिनि गुप्तयोगि अनंगन्यंग-कुसुमे-अनंग मेखले-अनंग मदने-अनंग मदनातुरे-अनंग रेखे-अनंग

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

वेगिन्यन-अनंगांकुशे-अनंग-मालिनि सर्वसंक्षोभण चक्र-स्वामिनि गुप्ततर-योगिनि सर्व-संक्षोभिणि सर्व-विद्राविणि सर्वाकर्षिणि सर्व-आह्-लादिनि सर्वसम्मोहिनि सर्व-स्तम्भिनि सर्व-जृम्भिणि सर्व-वशंकरि सर्वरंजिनि सर्वोन्मादिनि सर्वार्थसाधिनि सर्व-सम्पत्तिपूरिणि सर्वमन्त्रमयि सर्वद्वन्द्व-क्षयंकरि सर्वसौभाग्यदायक चक्रस्वामिनि सम्प्र-दाययोगिनि सर्वसिद्धिप्रदे सर्वसम्पत्प्रदे सर्व-प्रयंकरि सर्व-मंगलकारिणि सर्वकामप्रदे सर्व-दुःख-विमोचिनि सर्व-मृत्यु-प्रशमनि सर्व-विघ्न-निवारिणि सर्वांगसुन्दरि सर्व-सौभाग्य-दायिनि सर्वार्थ-साधक-चक्र-स्वामिनि कुलोत्तीर्ण-येागिनि सर्वज्ञे सर्वशक्ते सर्वैश्वर्यप्रदे सर्वज्ञानमयि सर्वव्याधि-विनाशिनि सर्वाधार-स्वरूपे सर्व-पापहरे सर्वानन्दमयि सर्व-रक्षा-स्वरूपिणि सर्वेप्सितप्रदे

सर्वरक्षा कर-चक्र-स्वामिनि निगर्भ-योगिनि वशिनि कामेश्वरि मोदिनि विमले अरूणे जयिनि सर्वेश्वरि कौलिनि सर्व-रोगहर-चक्र-स्वामिनि रहस्य-योगिनि वाणिनि चापिनि पाशिन्य-अंकुशिनि महाकामेश्वरि महा-वज्रेश्वरि महाभग-मालिनि महाश्री-सुन्दरि सर्वसिद्धिप्रद-चक्र-स्वामिन्यति रहस्य-योगिनि श्री श्री महाभट्टारिके सर्वानन्दमय चक्र-स्वामिनि परापर रहस्ययोगिनि त्रिपुरे त्रिपुरेशि त्रिपुरसुन्दरि त्रिपुर-वासिनि त्रिपुरा श्रीस्त्रिपुर-मालिनि त्रिपुरासिद्धे त्रिपुराम्ब महात्रिपुर सुन्दरि महामाहेश्वरि महामहाराज्ञि महामहाशक्ते महामहागुप्ते महा-महाज्ञप्ते महामहानन्दे महामहास्पन्दे महामहाशये महा-महा-श्रीचक्र-नगर-साम्राज्ञि नमस्ते नमस्ते नमस्ते नमः स्वाहा। श्रीं ह्रीं ऐं ओं श्री

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

परदेवतार्पणमस्तु ।।

ओम् ऐं ह्रीं श्रीं समस्त प्रकटगुप्त गुप्ततर सम्प्रदाय कुल कौल निगर्भ रहस्याति रहस्य परापर योगिनि श्रीविद्या राज राजेश्वरि श्री पादुकां पूजयामि नमः।

Books written by Shri Yogeshwaranand Ji

1. Mahavidya Shri Baglamukhi Sadhna Aur Siddhi

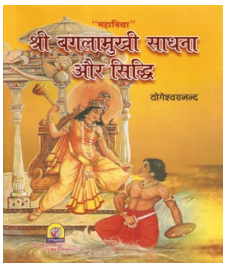

2. **Mantra Sadhana**

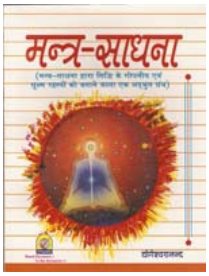

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

3. **Shodashi Mahavidya** (Tripursundari Sadhana)

4. Shri Baglamukhi Sadhana Rahasya

Shri Baglamukhi Sadhana Rahasya is the upcoming book of my father and my guru Shri Yogeshwaranand Ji on Ma Baglamukhi. Only limited copies of this book are going to be published. If you want to secure your copy before all sold out please make a payment of Rs 680 into the below A/C
Sumit Girdharwal
Axis Bank
912020029471298
IFSC Code – UTIB0001094
After payment send your complete address and payment receipt to shaktisadhna@yahoo.com & sumitgirdharwal@yahoo.com. For more details please call on +91-9540674788, 91-9410030994

Feedback & Support

I am very pleased to say that we are taking a next step ahead in the field of spirituality by digitalizing all the available Sanskrit texts in the world related to secret mantras, tantras and yantras. In the first phase we will digitalize all the content provided by Shri Yogeshwaranand Ji regarding das mahavidyas. We will not only make it available for Hindi and Sanskrit readers but also translate it into English so that whole world can get the benefits from our work. I can't do it alone. I request all of you to help me achieve this goal.

Requirement

1. We need a person who can write articles in Hindi and Sanskrit in software like Adobe Indesign (Preferable font chanakya) or

Microsoft Office (Font Used Kruti Dev 020, Chanakya)
2. We need a graphic designer who can create good pictures to summarize the content.
3. We need an English translator who can translate these articles into English
4. Any donation will be appreciated which is highly needed for this project.

My dear readers! Very soon We are going to start an E-mail based monthly magazine related to Tantras, Mantras and Yantras including practical uses for human welfare. I request you to appreciate me, so that I can change my dreams into reality regarding the service of humanity through blessings of our saints and through the grace of Ma Pitambara. Please make registered to yourself and your friends. For registration email me at sumitgirdharwal@yahoo.com Thanks

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org